बी.एल.एड. द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र XI (B) हिंदी-I

BEE-111-B

प्रथम इकाई – हिंदी भाषा : स्वरुप एवं उद्देश्य

- भाषा का स्वरुप
- हिंदी भाषा एवं विविध बोलियाँ
- हिंदी भाषा का महत्व
- हिंदी भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- हिंदी भाषा के कार्य

द्वितीय इकाई - भाषा अर्जन एवं भाषा कौशल

- प्राथमिकस्तरपरभाषाअधिगम
- भाषाएवंसंज्ञान:चोमस्कीएवंव्यायगोत्सकीकेभाषाअर्जनसम्बन्धीविचारएवंशैक्षिकअनुप्रयोग
- श्रवण,पठनएवंअभिव्यक्तिकौशल
- लेखनएवंउच्चारणकौशल
- भाषाशिक्षणकीविभिन्नअधिनूतन विधियाँ

तृतीय इकाई –विद्यालयीय स्तर पर भाषा का विकास

- शब्द भेद – संज्ञा, सर्वनाम , विशेषण , क्रिया , क्रिया-विशेषण
- विकारी एवं अविकारी शब्दों का ज्ञान
- वचन , लिंग एवं काल बोध का शिक्षण
- भाषा एवं साहित्य की विभिन्न विधाएं: उद्देश्य , महत्व एवं विधियाँ
- भाषा एवं साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से सृजनात्मकता एवं जीवन कौशलों का विकास

चतुर्थ इकाई- विद्यालयीय स्तर पर साहित्यिक सहगामी क्रियांएँ एवं सहायक सामग्री

- हिंदीभाषामेंविविधसाहित्यिकक्रियाएंएवंसौंदर्यबोधकेतत्व
- भाषा और साहित्य: अंत:सम्बन्ध और भिन्नता
- हिंदी भाषा शिक्षण हेतु श्रव्य– दृश्यसामग्रीका उपयोग एवं सावधानियां
- हिंदी शिक्षण में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग
- हिंदी भाषा और जन संचार: जन–संचार के विविध रूप, हिंदी शिक्षण में जन संचार माध्यमों की भूमिका

संस्तुत अधिन्यास

- पाठ्यक्रम को इकाई में विभक्त कर एक निश्चित क्रम में व्यवस्थित करना ।
- प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर की पाठ्य–पुस्तक का आलोचनात्मक अध्ययन।
- नवाचार विधि का प्रयोग करते हुए हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं हेतु पाठ–योजना तैयार करना।
- हिन्दी कौशलों के मापन हेतु मानक सम्प्राप्ति परीक्षण का निर्माण करना।
- हिन्दी प्रकरण के शिक्षण हेतु दो इकाइयों का विकास करना।

संदर्भ सूची

- उच्चारण शिक्षणः सेण्ट्रल पेडागॉजीकल इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद ।
- पाण्डेय. आर एस. (1995) हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।
- पुजारी, पुरूषोत्तमलाल (1992) हिन्दी शिक्षण, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
- भाटिया, सुमनः बालक में भाषा का विकास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा ।

- शर्मा , डी.के. (१९९९), हिंदीशिक्षणविधि , टंडनपब्लिकेशन ,लुधियाना।
- शर्मा.डी. एल(1992)ए हिन्दी शिक्षा प्रशिक्षण, देवनागर प्रकाशन, जयपुर ।
- शर्मा. बी: एन: (1976). हिन्दी शिक्षण, हास्पीटल रोड़, आगरा।
- शास्त्री, सीताराम एवं शर्मा, वाशिन मनोभाषा विकास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा ।
- सफाया , रघुनाथ (१९९७), हिंदीशिक्षणविधि , पंजाबकिताबघर , जालन्धर।
- सिंह, सावित्री (1990)हन्दी शिक्षण इन्टरनेशनलपब्लिशिंग हाउस, मेरठ
- सिंह, निरंजन कुमार (1994)ए मा मिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- क्षत्रिया, कमला:(1981) मातृभाषा क्षण, , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- श्रीवास्तव. आर. पी: (1991)हिन्दी क्षण, के. एल. प्रिन्टर्स, दिल्ली
- मातृभाषा–हिन्दी–शिक्षण(1998), ited by A. Prakash& R.K. Chopra,NCERT, New Delhi

बी.एल. एड. तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र XVI(B) हिंदी-I I

B.Ed-116-B

प्रथम इकाई –

हिंदी भाषा – प्रकृति एवं महत्व

- हिंदी भाषा की प्रकृति
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थित
- हिंदी का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व
- विद्यालयीय पाठ्यचर्या में हिंदी का स्थान
- हिंदी शिक्षक के गुण

द्वितीय इकाई –हिंदी भाषा शिक्षण के उद्देश्य एवं कौशल

- हिंदी भाषा- शिक्षण के ज्ञानात्मक उद्देश्य
- हिंदी भाषा-शिक्षण के भावात्मक एवं कौशलात्मक उद्देश्य
- हिंदी भाषा के ग्राह्यात्मक उद्देश्य
- हिंदी भाषा के अभिव्यक्त्यात्मक उद्देश्य
- उच्चारण एवं वर्तनी शिक्षण

तृतीय इकाई – हिंदी की विविध विधाएं एवं शिक्षण

- हिंदी गद्यशिक्षण: महत्व , उद्देश्य ,गद्य विधाओं के विविध रूप (निबंध एवं निबंधेतर) तथा उनकी शिक्षण विधियाँ एवं पाठ–योजना
- हिंदी व्याकरण शिक्षण : महत्व ,उद्देश्य ,शिक्षण विधियाँ एवं पाठ–योजना
- हिंदी पद्य शिक्षण : महत्व ,उद्देश्य , शिक्षणविधियाँ एवं पाठ–योजना
- कविता शिक्षण के पक्ष – भाव एवं कला पक्ष , अस्वादन में शिक्षक की भूमिका , सौन्दर्य बोध विकास की युक्तियाँ

चतुर्थ इकाई – साधन , सामग्री एवं मूल्याङ्कन

- हिंदी पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकें : हिंदी पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक अध्ययन, निर्माण प्रक्रिया एवं समीक्षात्मक विश्लेषण
- हिंदी शिक्षण में प्रयुक्त शैक्षिक उपकरण –शैक्षिक उपकरणों के विविध रूप – यांत्रिक एवं अयांत्रिक उपकरण ,शैक्षिक उपकरणों का महत्त्व एवं उपयोगिता
- हिंदी शिक्षण की दृष्टी से सतत एवं व्यापक मूल्याङ्कन :निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण
- हिंदी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसन्धान एवं सोपान

संस्तुत अधिन्यास

- पाठ्यक्रम को इकाई में विभक्त कर एक निश्चित क्रम में व्यवस्थित करना ।
- कक्षा 1 से 6 तक की हिन्दी पाठ्य–पुस्तक का आलोचनात्मक अध्ययन।
- नवाचार विधि का प्रयोग करते हुए हिन्दी शिक्षण की विभिन्न विधाओं हेतु पाठ–योजना तैयार करना।
- हिन्दी कौशलों के मापन हेतु मानक सम्प्राप्ति परीक्ष्ण का निर्माण करना।
- हिन्दी प्रकरण के शिक्षण हेतु दो खेलों का विकास करना।

संदर्भ सूची

- उच्चारण शिक्षण: सेण्ट्रल पेडागॉजीकल इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद ।
- पाण्डेय. आर एस. (1995) हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।
- पुजारी, पुरूषोत्तमलाल (1992) हिन्दी शिक्षण, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
- भाटिया, सुमन: बालक में भाषा का विकास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा ।

- शर्मा , डी.के. (१९९९), हिंदीशिक्षणविधियाँ , टंडनपब्लिकेशन ,लुधियाना।
- शर्मा.डी. एल(1992)ए हिन्दी शिक्षण प्रशिक्षण, देवनागर प्रकाशन, जयपुर ।
- शर्मा. बी: एनः (1976). हिन्दी शिक्षण, हास्पीटल रोड़, आगरा।
- शास्त्री, सीताराम एवं शर्मा, वाशिनी: मनोभाषा विकास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा ।
- सफाया , रघुनाथ (१९९७), हिंदीशिक्षणविधि , पंजाबकिताबघर , जालन्धर।
- सिंह, सावित्री (1990)हन्दी शिक्षण, इन्टरनेशनलपब्लिशिंग हाउस, मेरठ
- सिंह, निरंजन कुमार (1994)ए माध्यमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- क्षत्रिया, कमला:(1981) मातृभाषा शिक्षण, , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- श्रीवास्तव. आर. पीः (1991)हिन्दी शिक्षण, के. एल. प्रिन्टर्स, दिल्ली
- मातृभाषा–हिन्दी–शिक्षण(1998),edited by A. Prakash& R.K. Chopra,NCERT, New Delhi